RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शुक्रवार 24 नवंबर 2023 वर्ष 05 अंक 212 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
# रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

## मुंबई में कोरोना काल में हुआ एक और घोटाला!
### रडार पर बीएमसी अधिकारी, केस दर्ज

**मुंबई,** पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने कोविड-19 महामारी के दौरान हुए कथित 'ऑक्सीजन आपूर्ति घोटाले' में एफआईआर दर्ज की है। अधिकारियों ने बताया कि कोरोना काल में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के 9 अस्पतालों और दो जंबो कोविड सेंटरों में ऑक्सीजन प्लांट (ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र) लगाने में अनियमितता हुई। इस संबंध में अज्ञात बीएमसी अधिकारियों और एक ठेकेदार के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने बुधवार को हाईवे कंस्ट्रक्शन कंपनी के पावर ऑफ अटॉर्नी-धारक रोमिन छेड़ा और बीएमसी अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है की ऑक्सीजन प्लांट लगाने में

धांधली करने की वजह से मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को 6 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। बीएमसी ने कोविड महामारी के दौरान अप्रैल 2021 और जनवरी 2022 के बीच सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित करने का कॉन्ट्रैक्ट दिया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी को नगर निगम के अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट लगाने के लिए 80 करोड़ रुपये का ठेका मिला था। पुलिस अधिकारी ने कहा, आरोपियों ने बीएमसी को 6 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया है। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, कंपनी ने समय पर काम पूरा नहीं किया। आरोपी ने कंपनी को जुमार्ना भरने से बचाने के लिए काम पूरा होने के फर्जी कागजात बनवाये और बीएमसी को सौंपे। इसके अलावा ऑक्सीजन प्लांट लगाने का 60 करोड़ रुपये का एक और कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया। बताया जा रहा है कि आरोपी रोमिन छेड़ा बोरीवली में कपड़े की दुकान चलाता है।

## जल्द पूरी हो सकती है मराठा समुदाय की आरक्षण की मांग
### डिप्टी सीएम फडणवीस ने कही बड़ी बात

**मुंबईः महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को कहा कि सरकार मराठा आरक्षण की मांग को लेकर सकारात्मक है और मराठा समुदाय को आरक्षण देने की कोशिश चल रही है। मराठा समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को डिप्टी सीएम फडणवीस से सोलापुर जिले के पंढरपुर में मुलाकात की। डिप्टी सीएम फडणवीस अपनी पत्नी के साथ पंढरपुर में भगवान विट्ठल और देवी रुकमणी के मंदिर में कार्तिकी एकादशी के मौके पर पूजा करने पहुंचे थे।**

देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया पर साझा किए एक पोस्ट में लिखा कि 'मैं मराठा समुदाय को आश्वस्त करना चाहता हूं कि राज्य सरकार उनकी मांग को लेकर सकारात्मक है। सीएम एकनाथ शिंदे ने सुनिश्चित किया है कि मराठा समुदाय को आरक्षण मिले। हम उनके साथ खड़े हैं और उनका पूरा समर्थन कर रहे हैं। इस मुद्दे का जरूर समाधान किया जाएगा और मराठा समुदाय को आरक्षण देने की कोशिशें चल रही हैं। डिप्टी सीएम से मिले प्रतिनिधिमंडल ने ये भी मांग की है कि राज्य सरकार पंढरपुर में मराठा भवन बनाने के लिए जमीन मुहैया कराए। साथ ही अन्नासाहेब पाटिल आर्थिक विकास महामंडल और सारथी के उपकेंद्र शुरू किए जाएं। प्रतिनिधिमंडल ने पंढरपुर में छात्रों के लिए एक हॉस्टल बनाने की भी मांग की है। बता दें कि सारथी, महाराष्ट्र सरकार की एक स्वायत संस्था है, जो मराठा और मराठा-खुंबी समुदाय के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक विकास के लिए काम करती है। डिप्टी सीएम ने इन सभी मांगों को पूरा करने की बात कही। डिप्टी सीएम ने कहा कि 'सोलापुर के जिलाधिकारी अगले 15 दिनों में मराठा भवन और हॉस्टल के निर्माण के लिए जमीन प्रतिनिधिमंडल को दिखा सकते हैं।

## महाराष्ट्र के ठाणे में व्यक्ति का अपहरण कर जबरन वसूले 48,000 रुपये

**ठाणे :** महाराष्ट्र के ठाणे शहर में पुलिस ने 27 वर्षीय व्यक्ति का अपहरण कर उससे 48,000 रुपये जबरन वसूलने के आरोप में तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पीड़ित 20 नवंबर को वागले एस्टेट इलाके में एक होटल के करीब खड़ा था तभी तीन लोग उसके पास आ गए।

वागले एस्टेट थाने के एक अधिकारी ने शिकायत के हवाले से बताया कि तीनों ने पीड़ित पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया और जबरदस्ती उसे ऑटोरिक्शा में बिठाकर ले गए। आरोपी पीड़ित को एक सुनसान जगह पर ले गए और उससे आठ हजार रुपये छीन लिए और उस पर अपने बैंक खाते से 40,000 रुपये अंतरित करने का दबाव बनाया। पुलिस में की गई शिकायत के अनुसार बाद में पीड़ित को नितिन कंपनी के पास ऑटोरिक्शा से धक्का देकर गिरा दिया गया।

## कोल्हापुर में गोवा-मुंबई स्लीपर बस पलटी
### पुणे के एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत

**मुंबईः** महाराष्ट्र में जानलेवा सड़क हादसों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसा ही एक भीषण हादसा कोल्हापुर में हुआ है। कोल्हापुर शहर में गोवा से मुंबई जा रही प्राइवेट बस के पलटने से भयानक हादसा हो गया। इस बस में 25 यात्री सवार थे। जिसमें से तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि गुरुवार तड़के कोल्हापुर शहर के पास एक निजी स्लीपर बस के पलट जाने से पुणे में रहने वाले एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई और नौ अन्य लोग घायल हो गए। हादसा पुणे से लगभग 240 किलोमीटर दूर स्थित कोल्हापुर शहर के बाहरी इलाके में राधानगरी रोड पर पुईखडी के पास देर रात करीब सवा दो बजे हुआ। वीआरएल कंपनी की प्राइवेट स्लीपर बस लगभग 25 यात्रियों को लेकर गोवा से मुंबई आ रही थी।

अधिकारी ने कहा, कोल्हापुर-राधानगरी रोड पर पुईखडी के पास जब बस चालक ने वाहन को मोड़ने की कोशिश की तो वह पलट गई। इसकी

जानकारी मिलते ही तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। बाद में क्रेन की मदद से बस को सीधा किया गया और रास्ते से हटाया गया। अधिकारी ने कहा, ह्लएक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई है, जबकि नौ अन्य यात्री घायल हो गए। घायलों का फिलहाल कोल्हापुर के विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।ह्व इस हादसे में नीलू गौतम (उम्र 43), रिधिमा गौतम (उम्र 17) और सार्थक गौतम (उम्र 13) की मौत हुई हैं। सभी मृतक पुणे के रहने वाले हैं। पिछले महीने में कोल्हापुर में निजी बस दुर्घटना की यह दूसरी घटना है। कुछ दिन पहले भी इसी तरह एक निजी बस के ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया था और बस नदी में जा गिरी थी।

## लाल लिपस्टिक, 300 रुपये और फिर... मुंबई की महिला डॉक्टर को ये गलती पड़ गई इतनी भारी!
### लाल लिपस्टिक ने उड़ा दिए मुंबई की डॉक्टर के होश

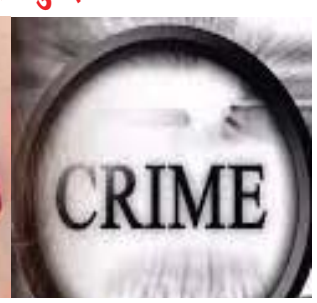


**मुंबईः** मुंबई की डॉक्टर को लिपस्टिक खरीदना इतना भारी पड़ जाएगा ये उन्होंने कभी सोचा भी नहीं होगा। वो भी एक पड़ी लिखी डॉक्टर महिला को। नवी मुंबई में रहने वाली एक डॉक्टर ने एक बड़ी ऑनलाइन कंपनी से लिपस्टिक ऑर्डर की।

इस लाल लिपस्टिक के लिए उन्होंने कंपनी 300 रुपये की पेमेंट भी की, लेकिन कई दिनों तक वो लिपस्टिक नहीं आई। उन्होंने अपना मैसेज चेक किया तो पता चला कि उन्हें लिपस्टिक डिलीवर हो चुकी है, लेकिन असल में उन्हें डिलीवरी मिली ही नहीं थी।

**मुंबई की डॉक्टर, 300 की लिपस्टिक और फिर**

डॉक्टर ने इस मामले में कंपनी के नंबर पर फोन किया। एग्जीक्यूटिव ने फोन उठाया और उन्हें कहा गया कि जल्द उनसे इस बारे में कॉन्टेक्ट किया जाएगा और उनके प्रॉडक्ट के बारे में जानकारी दी जाएगी। दो दिन बाद महिला के पास कंपनी का फोन आया। उन्हें बताया गया कि उनका प्रॉडक्ट कहीं फंस गया है और इसलिए डिलीवरी लेट है।

## संपादकीय / लेख

### कोरोना टीके से मौत नहीं

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

देश भर में अचानक युवा मौतों का कारण कोरोना वायरस का टीकाकरण नहीं है। टीके से अचानक और अकारण मौत का जोखिम भी नहीं बढ़ता। बल्कि टीके की दो खुराक ऐसी मौतों के जोखिम को कम ही करती हैं। यह निष्कर्ष भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सर्वेक्षण एवं अध्ययन का है। परिषद ने अक्तूबर, 2021 से मार्च, 2023 के बीच 18-45 आयु वर्ग के लोगों पर यह अध्ययन किया है। देश भर के 47 प्रमुख अस्पतालों के डॉक्टरों और अन्य चिकित्सा-कर्मियों ने, कई बिंदुओं को आधार बनाकर, यह अध्ययन किया है। अब आईसीएमआर की रपट सार्वजनिक है, जो कोरोना टीके से जुड़ी भ्रांतियों और धारणाओं को तोड़ सकती है। आईसीएमआर के अध्ययन-समूहों के सामने अचानक, अकारण और गंभीर बीमारी न होने के बावजूद करीब 29,000 मौतें थीं। यह बहुत बड़ा और भयानक आंकड़ा है। कोई व्यक्ति सुबह की सैर कर रहा था या पार्क में जॉगिंग कर रहा था अथवा बैडमिंटन खेल रहा था या गरबा नृत्य कर रहा था अथवा जिम, पार्क में व्यायाम कर रहा था अथवा अपने दफ्तर में सामान्य कामकाज में व्यस्त था, लेकिन ऐसे लोग अचानक जमीन पर गिर पड़े। देखते ही देखते उनकी मृत्यु हो गई। अंततः डॉक्टर की रपट आई कि हार्ट अटैक से मौत हुई है। अधिकतर लोग स्वस्थ ही थे। जिन मामलों का चिकित्सीय विश्लेषण डॉक्टरों ने किया है, उनमें करीब 81 फीसदी लोगों ने कोरोना टीके की पहली खुराक ही ली थी। उनके आसपास रहने वाले 2916 लोगों में से 87 फीसदी ने कमोबेश एक खुराक ली थी, 401 लोगों ने दो खुराक ली थी, जबकि 133 ने कोई भी खुराक नहीं ली थी। कोरोना महामारी के बाद ऐसी मौतें सामने आईं, तो कोरोना टीकों पर सवाल उठाए गए। उन्हें 'घातक' और 'जानलेवा' तक करार दिया गया। ऐसे आरोप और आशंकाएं जताई गईं कि टीका लेने से ही मौतें हो रही हैं।

टीके के दुष्प्रभाव अब सामने आ रहे हैं। डॉक्टरों के अभिमत भी असमंजस में थे, लिहाजा आईसीएमआर का अध्ययन करने का विचार सुखद और सकारात्मक है। अध्ययन में यह महत्वपूर्ण सच भी स्पष्ट हुआ है कि 10 फीसदी मौतें ऐसी हुई हैं, जिनके संदर्भ में 'अचानक मौत' का पारिवारिक इतिहास रहा है। मृतकों में 18 फीसदी ऐसे थे, जिन्होंने अत्यधिक और असामान्य शारीरिक श्रम किया था अथवा वे जरूरत से ज्यादा और थकाऊ व्यायाम करते थे। धूम्रपान और शराब का नियमित सेवन करने वाले 27-27 फीसदी लोग भी थे। इनमें से करीब 7 फीसदी लोगों ने मौत के 48 घंटे पहले शराब पी थी। करीब 18 फीसदी लोगों ने बीते एक साल में अत्यधिक तीव्रता वाली शारीरिक गतिविधियां की थीं। अध्ययन में यह निष्कर्ष भी सामने आया है कि शराब जितनी अधिक या बार-बार पी जाएगी, अचानक मौत की संभावनाएं भी उतना अधिक बढ़ेंगी। अचानक मौतें नशीले पदार्थों के सेवन के कारण भी हुई हैं। कोरोना के कारण अस्पताल में भर्ती होने वालों में भी ऐसी मौत की संभावनाएं चार गुना ज्यादा देखी गई हैं। बहरहाल कोरोना टीके के कारण अचानक मौतें नहीं हो रही हैं, यह एक बेहद महत्वपूर्ण शोधात्मक निष्कर्ष है, जिसे अंतरराष्ट्रीय मेडिकल जरनल में प्रकाशित किया जाना चाहिए। बेशक भारत से कोरोना वायरस लगभग समाप्त हो चुका है, लेकिन जिन्हें संक्रमण झेलना पड़ा या कम संक्रमण हुआ अथवा संक्रमण के लक्षण ही दिखाई नहीं दिए, लेकिन वे भी संक्रमण के शिकार हुए थे, ऐसे तमाम लोगों को सतर्क रहना चाहिए। कोरोना खत्म होने के बावजूद मेडिकल टेस्ट करवाना चाहिए।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

# भिवंडी मनपा प्रशासक को मानवाधिकार आयोग की कड़ी फटकार

## 14 दिसंबर को आयोग के समक्ष पेश होने का निर्देश, आयुक्त की कार्य प्रणाली पर फिर उठे सवाल

मुस्तकीम खान

**भिवंडी :** भिवंडी शहर की बेहद खराब जर्जर सड़कों को लेकर भिवंडी की जनता धीरे-धीरे आक्रोशित होकर उग्र होने लगी है। आए दिन भिवंडी की खराब सड़कों और तमाम समस्याओं को लेकर नगरीकों ने धरना आंदोलन तेज कर दिए हैं, इतना ही नहीं भिवंडी की खराब सड़कों को लेकर मानवाधिकार आयोग ने मनपा प्रशासन को कड़ी फटकार लगाते हुए आगामी 14 दिसंबर को आयोग के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया है, जिससे मनपा प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है मनपा प्रशासन के बड़े अधिकारी द्वारा सड़क की मरम्मत पर खर्च किए गए डेढ़ करोड़ रुपए को लेकर जनता ने सीधा सवाल उठाते हुए भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगाया है। भिवंडी मनपा में चल

रही मनमानी को लेकर अब जनता सीधे मनपा आयुक्त की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े करने लगी है। इतना ही नहीं अब आयुक्त हटाओ और भिवंडी बचाओ जैसे भ्रष्टाचार के नारे भी लगाने लगी है। इसके बावजूद भी मनपा आयुक्त अजय वैद्य अपनी गलती स्वीकार कर सुधारने की जगह तरह-तरह के झूठ आश्वासन पर आश्वासन देकर जनता को गुमराह करने में लगे हुए हैं। गौरतलब हो कि भिवंडी शहर की अधिसंख्यक सड़कें गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं. मनपा प्रशासन द्वारा प्रतिवर्ष करोड़ों रुपया खर्च कर गड्ढों की मरम्मत कार्य को अंजाम देने के बावजूद थोड़े समय बाद गड्ढे फिर जस के तस हो जाते हैं. बारिश के दौरान हुई गड्ढों की दुरुस्ती में मनपा प्रशासन को करोड़ों रुपया खर्च करना पड़ता है जिससे भारी भ्रष्टाचार का आरोप भी नागरिकों द्वारा लगाया जा रहा है।शहर के जागरूक नागरिको का कहना है कि, भिवंडी में गड्ढा दुरुस्ती के नाम पर मनपा प्रतिवर्ष करोड़ों रुपया खर्च करती है। करोड़ों रुपया खर्च करने के बावजूद सड़कों पर गड्ढे फिर बन जाते हैं। सरकार द्वारा विगत 4 वर्षों पूर्व शहर के तमाम प्रमुख मार्गो सहित संपर्क मार्ग को मिलाकर कुल 52 आरसीसी मार्ग निर्माण की मंजूरी दी गई थी। जिसमें करीब 20 से अधिक कंक्रीट मार्ग का निर्माण हो चुका है। शहर में एमएमआरडीए के माध्यम से बन रही आरसीसी सड़कें भी घटिया और निकृष्ट दर्जे की है।

### गड्ढों को लेकर आयोग भी हुआ सख्त..

सड़कों के गड्ढों को गंभीरता से लेते हुए मानवाधिकार आयोग भी सख्त हो गया है। आयोग ने मनपा आयुक्त को गड्ढा मरम्मत संबंधित कार्रवाई को लेकर 14 दिसंबर को तलब किया है। देखना दिलचस्प होगा कि, खराब सड़कों को लेकर आयोग का रुख क्या होगा ?

# मनपा प्रभाग अधिकारी सोमनाथ सोष्टे के भ्रष्टाचार का मामला विधानसभा में गूंजा

मुस्तकीम खान

**भिवंडी :** भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पालिका के प्रभाग समिति क्रमांक 5 के तत्कालीन सहायक आयुक्त सोमनाथ सोष्टे द्वारा किए गए 32 लाख से अधिक राशि गबन का मामला अब विधानसभा में पहुंच गया है। इस मुद्दे पर विधानसभा के दिवाली अधिवेशन में विधायक नीलेश लंके ने प्रश्न तारांकित किया है। बता दें की प्रभाग अधिकारी सोमनाथ सोष्टे जब प्रभाग समिति नंबर 5 में सहायक आयुक्त के रूप में कार्यरत थे उस दौरान नालों और गटरों की सफाई में लगे मजदूरों की मजदूरी का भुगतान करने के लिए एडवांस के तौर पर 32 लाख 66 हजार 346 रुपये की रकम हासिल की गई थी जबकि नियमानुसार सोमनाथ सोष्टे को उक्त राशि को खर्च कर उसका समाधान एवं स्पष्टीकरण निर्धारित अवधि में लेखा विभाग को प्रस्तुत करने के बाध्य थे लेकिन 2 से 3 साल का समय बीत जाने के बाद भी

सोष्टे ने ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की। इस मामले में मनपा प्रशासन द्वारा सोमनाथ सोष्टे को नोटिस देने को कहा गया था, लेकिन मनपा प्रशासन द्वारा नोटिस देने के बाद भी सोष्टे ने मनपा प्रशासन को इसका खुलासा नहीं किया। जिस के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार मंच के अध्यक्ष शरद काशीनाथ धूमाल ने इस मामले की शिकायत करते हुए जांच की मांग की तो पता चला कि मनपा आयुक्त अजय वैद्य के आदेश पर मनपा ने गबन किए गए राशि की वसूली सोमनाथ सोष्टे के वेतन से शुरू कर दी है। लेकिन नियमानुसार सोमनाथ सोष्टे को जांच के लिए निलंबित किया जाना और फिर मनपा सेवा से बर्खास्त करना जरूरी था जिसकी शिकायत शरद धूमल ने मनपा आयुक्त अजय वैद्य से की थी लेकिन मनपा आयुक्त अजय वैद्य का संरक्षण प्राप्त होने के कारण धूमाल ने इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री और शहरी विकास प्रमुख सचिव से की है ,साथ ही पारनेर विधायक- नीलेश लंके ने क्रमांक 74954 के अंतर्गत दिवाली अधिवेशन के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए विधानसभा में प्रश्न तारांकित किया है। जिसके बाद नगर विकास विभाग कक्ष अधिकारी रश्मिकांत इंगोले ने मनपा आयुक्त अजय वैद्य को 24 नवंबर 2023 को मंत्रिस्तरीय कक्ष में उपस्थित होकर उक्त तारांकित प्रश्न का उत्तर देने के लिए विस्तृत रिपोर्ट के साथ हाजिर रहने का निर्देश दिया है ।भिवंडी मनपा में सोमनाथ सोष्टे द्वारा लाखों रुपए के गबन को लेकर विधानसभा में उठाए गए सवाल के बाद मनपा अधिकारियों में हड़कंप मच गया है।

# 30 मिनट देरी से कोर्ट पहुंचे पुलिसवाले, जज साहब भड़के, घास काटने की सुनाई सजा

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र के परभणी जिले के दो पुलिसकर्मियों को अदालत में देर से पहुंचना भारी पड़ा है। खबरों के मुताबिक, अदालत में आरोपियों को पेशी के लिए देर से लाने पर पुलिसवालों को जज साहब ने घास काटने की विचित्र सजा सुनाई। यह आदेश प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट ने पिछले महीने दिया था, जिसका खुलासा अब हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र के दो पुलिसकर्मियों को देर से आने के कारण अदालत ने सजा के तौर पर उन्हें घास काटने का आदेश दिया। यह मामला परभणी जिले के मानवत पुलिस स्टेशन का है। मजिस्ट्रेट ने एक कांस्टेबल और एक हेड कांस्टेबल को हाल ही में अनुशासनात्मक दंड के रूप में घास काटने का काम सौंपा। वे हॉलिडे कोर्ट में 30 मिनट देरी से पहुंचे थे।

# चांदिवली निर्वाचन क्षेत्र को समस्या मुक्त बनाकर विकास करने का लक्ष -दिलीप लांडे

**मुंबई (फिरोज सिद्दीकी)** चांदिवली विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के विधायक दिलीप लांडे मामा के सहयोग से प्रभाग क्रमांक १५८ चांदिवली म्हाडा बस्ती मे तीन जगहों पर आशीर्वाद सोसायटी, गिरी दर्शन सोसायटी मे बिल्डिंग परिसरो ब्लॉक बिछाने सहित साफल्य सोसायटी समेत पोलीस वसाहत मे सुरक्षा दीवार

बनाने का कार्य का भूमि पूजन विधायक दिलीप लांडे के हाथों संपन्न हुआ। मीडिया से बातचीत करते ही शिवसेना शिंदे गुट विधायक दिलीप लांडे ने कहा की जो नागरिक समस्या, जन समस्याओ के कार्य पूर्व जनप्रतिनिधियों द्वारा पिछले पच्चीस वर्षो मे नही किये गये। वैसे नागरिक समस्याओ से जुड़े कार्य कर मैंने अपने विधायिकी कार्य काल मे निर्वाचन क्षेत्र मे विकास की गंगा बहाने का कार्य किया है ।

# टंकी लगाई, नल कनेक्शन दिए; लेकिन पानी देना भूल गए अफसर... भटक रहे स्मार्ट शहर नवी मुंबई के लोग

**नवी मुंबईः** कहने के लिए तो नवी मुंबई स्मार्ट शहर है, लेकिन यहां पानी की व्यवस्था अब तक स्मार्ट नहीं हो पाई है। लोग पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं। कुछ इलाकों में पानी की आपूर्ति कम दबाव से हो रही है, तो कुछ में टाइम-बेटाइम पानी की सप्लाई किए जाने से लोगों का कामकाज प्रभावित हो रहा है। नवी मुंबई मनपा का खुद का मोरबे डैम होने के बावजूद पावने, तुर्भे, एमआईडीसी क्षेत्र में लोगों को पीने के पानी के लिए भटकना पड़ता है। सात-आठ साल पहले मनपा ने जलापूर्ति की कमी के बावजूद पावने एमआईडीसी के आदिवासी परिवारों को जल्दबाजी में वाल्मीकि आवास योजना के तहत बनी झोपड़ियों में स्थानांतरित कर दिया था। इस स्थान पर एक पानी की टंकी भी है। साथ ही हर घर में नल का कनेक्शन दिया गया है, लेकिन इस टंकी में पानी नहीं रहता। मनपा की लापरवाही से परेशान लोगों ने अब मोर्चा निकालने की तैयारी की है। नवी मुंबई शहर पिछले कुछ महीनों से भीषण जल संकट से घिरा हुआ है। शहर के कई हिस्सों में नागरिकों को पानी के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

पावने एमआईडीसी के इलाके में डेढ़-डेढ़ किलोमीटर तक लोगों को पानी के लिए भटकना पड़ता है। कम दबाव और रात में असमय जलापूर्ति के कारण इस इलाके की आदिवासी महिलाओं को कई बार एक बाल्टी पानी के लिए पूरी रात जागना पड़ता है। उसके बाद भी अगर पानी नहीं मिलता है तो डेढ़ से दो किलोमीटर पैदल चलकर वे पानी का इंतजाम करती हैं। पावने एमआईडीसी क्षेत्र में कई बार आधी रात को पानी की आपूर्ति की जाती है। कुछ लोगों को तब भी पानी नहीं मिल पता। यहां बोरिंग या कुआं की भी कोई व्यवस्था नहीं है। नतीजतन पावने के वारलीपाडा के ग्रामीणों को पानी की एक बूंद के लिए हर दिन डेढ़ से दो किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। इस बीच शालीमार कंपनी के पास लीकेज हुई पाइपलाइन के कारण भी पानी नहीं मिल पा रहा है। हालांकि कुछ लोगों के लिए यह लीकेज वरदान साबित हो रहा है। पानी के लिए भटक रहे लोग लीक पाइपलाइन से अकसर पानी ले जाते हुए देखे जाते हैं। पावने एमआईडीसी के लोगों की शिकायत है कि उनके घरों में नल तो हैं, लेकिन उनमें पानी नहीं है। उनके बच्चे कई बार पानी न होने के चलते स्कूल भी नहीं जा पाते। पावने, वारलीपाडा में पानी की समस्या को लेकर दो दिनों में एमआईडीसी के साथ बैठक की जाएगी। इस बारे में एमआईडीसी को भी सूचित कर दिया गया है। पानी आपूर्ति का समय बदला जाएगा।

शिवसेना नेता और स्थायी समिति के पूर्व सभापति सुरेश कुलकर्णी ने बताया कि पिछले महीने पानी की कमी को लेकर मोर्चा निकाला गया था। उस समय कमिश्नर ने आश्वासन दिया था कि अमृत योजना के तहत पानी की समस्या का समाधान किया जाएगा। हालांकि, कम से कम अस्थायी तौर पर टैंकरों से पानी की आपूर्ति की जानी चाहिए थी, जो नहीं की गई।

## बेमौसम बरसात... २५, २६ और २७ को होगी बारिश

**मुंबई :** आगामी २५, २६ और २७ तारीख महाराष्ट्र में किसानों के लिए आफत लेकर आनेवाली है। रवि की फसल पूरी कर खरीफ फसल की शुरूआत करने की तैयारी में जुटे किसानों को काफी नुकसान हो सकता है। इस दिन महाराष्ट्र के अलग-अलग जिलों में बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, पूरे महाराष्ट्र में बरसात होगी, कहीं कम तो कहीं ज्यादा, लेकिन लगभग पूरे महाराष्ट्र में इस बेमौसम बारिश की छाया रहेगी। इस बीच बादल गरजेंगे भी और बरसेंगे भी। मौसम विभाग के अनुसार, कहीं पर तेज बारिश होगी तो कहीं पर बूंदाबांदी भी हो सकती है। इस बेमौसम बरसात से किसानों को ज्यादा नुकसान होने की संभावना है।

## मुंबई से नागपुर के बीच रेलवे ने किया ऐसा काम, अब 30 मिनट पहले पहुंच सकेंगे अपने स्पॉट

**मुंबईः** नागपुर से मुंबई रूट का सफर करने वाले रेल यात्रियों के लिए खुशखबर है। इस रूट के यात्री अब करीब आधा घंटे पहले ही अपने गांव पहुंच सकेंगे। मध्य रेलवे ने इगतपुरी से नागपुर के बीच के मार्ग को अपग्रेड करने का काम पूरा कर लिया है। करीब 660 किमी. के इस रेलवे रूट पर सभी गाड़ियां 130 किमी. की स्पीड से दौड़ सकेंगी। स्पीड बढ़ने से यात्रा का समय घटेगा। मध्य रेलवे ने बुधवार को वर्धा से बडनेरा के बीच 95.44 किमी. लंबे रेलवे मार्ग को अपग्रेड करने का काम पूरा कर लिया है। इस रूट पर मल्टी ट्रैकिंग, ओवर हेड इक्विपमेंट रेगुलेशन, सिग्नलिंग सिस्टम समेत अन्य तकनीकी बदलाव किए गए हैं। बुधवार को इस खंड में पहली बार अप और डाउन दिशा की 30 ट्रेनें 130 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। मध्य रेलवे ने इगतपुरी से नागपुर के बीच के अन्य मार्ग पर भी अपडेट करने का काम पहले ही पूरा कर लिया है।

इगतपुरी रूट से उत्तर भारत के साथ ही हावड़ा समेत अन्य रूट की सैकड़ों गाड़ियां गुजरती हैं। रेलवे ट्रैक के अपग्रेड होने से सभी यात्रियों को राहत मिलेगी। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ शिवराज मानसपुरे के अनुसार, तकनीकी और सुरक्षा मानकों के निरीक्षण के बाद ट्रेन को 130 किमी. प्रति घंटे के हिसाब से चलाने का फैसला लिया गया है। स्पीड बढ़ने से यात्रा अवधि में 30 मिनट की कमी आएगी।

मध्य रेलवे के इगतपुरी-नागपुर रूट के साथ ही पुणे-दौड़ खंड के 75.59 किमी. और इटारसी-नागपुर-वर्धा-बल्लारशाह खंड के 509 किमी. मार्ग पर ट्रेनों का संचालन 130 किमी. की स्पीड से शुरू हो गया है। मौजूदा समय में 1206.73 किमी. मार्ग पर ट्रेनें 130 किमी की स्पीड से चल रही हैं। दौड़-सोलापुर-कलबुरगी-वाडी के 337.44 किमी. मार्ग को अपग्रेड करने का काम चल रहा है।

मुंबई से मऊ तक नई साप्ताहिक ट्रेन का उद्घाटन रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को दिल्ली से वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर किया। इस दौरान नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा मऊ जंक्शन पर मऊवासियों के साथ मौजूद रहे। यह ट्रेन मऊ जंक्शन से शुरू होकर मुहम्मदाबाद गोहना, आजमगढ़, शाहगंज, जौनपुर, प्रयागराज होकर मुंबई जाएगी। मुंबई से यह ट्रेन हर सोमवार 11:15 बजे छूटेगी और मऊ अगले दिन शाम 6:30 बजे पहुंचेगी। मऊ से हर शनिवार रात 10:15 बजे छूटेगी और मुंबई सोमवार सुबह 3:45 बजे पहुंचेगी।

## मुंबई में प्रस्तावित पानी की दर में वृद्धि रद्द

**मुंबई :** महाराष्ट्र केमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आदेश के बाद बीएमसी कमिश्नर ने मुंबई में प्रस्तावित पानी की दर में वृद्धि रद्द कर दी है। सीएम शिंदे ने बीएमसी कमिश्नर आई. एस.चहल को स्पष्ट निर्देश दिया है कि पानी की दर में किसी तरह की वृद्धि न की जाए। मुख्यमंत्री के इस आदेश को अगले साल होने वाले लोकसभा, विधानसभा और बीएमसी चुनाव से जोड़ कर देखा जा रहा है। बीएमसी की योजना थी कि मुंबई के पानी की दर में 8 प्रतिशत की वृद्धि की जाए। बीएमसी के इस निर्णय का सत्ताधारी बीजेपी सहित विपक्षी कांग्रेस और सपा ने जोरदार विरोध किया था। बीएमसी ने वर्ष 2012 में एक प्रस्ताव पास हुआ था, जिसमें यह नियम बनाया गया है कि पानी की दर में हर साल 8 प्रतिशत की वृद्धि अपने आप हो जाएगी। इसी नियम के तहत बीएमसी के जलापूर्ति विभाग ने 8 प्रतिशत दर में वृद्धि का प्रस्ताव कमिश्नर चहल के पास भेजा था।

पानी के दर में वृद्धि के प्रस्ताव को कमिश्नर ने मंजूरी भी दे दी थी, लेकिन राज्य सरकार से दबाव पड़ने के बाद अब इसे वापस ले लिया गया है। यानी वर्ष 2023-24 के वित्तीय वर्ष में अब मुंबईकरों का पानी महंगा नहीं होगा।

इस बाबत बीएमसी का कहना है कि मुंबईकरों को प्रतिदिन 3850 एमएलडी पानी की आपूर्ति की जाती है। यह आपूर्ति करीब 150 किमी की दूरी से होती है। जिस कीमत पर लोगों को पानी उपलब्ध कराया जाता है, वह बहुत ही मामूली दर है। जबकि लोगों तक पानी पहुंचाने के लिए बीएमसी को कई गुना खर्च करना पड़ता है। पानी आपूर्ति के लिए प्रशासनिक खर्च के अलावा ऊर्जा का खर्च, सरकार के तालाब से लिए जाने वाले पानी का खर्च भी बढ़ गया है। इसी तरह पानी के शुद्धिकरण और उसमें डाली जाने वाली दवाओं का भी खर्च बढ़ गया है। इसीलिए पानी की दरों में वृद्धि का प्रस्ताव पेश किया गया था। हालांकि, अब मुख्यमंत्री शिंदे के दखल के बाद इस वृद्धि पर फिलहाल इस साल के लिए रोक लगा दी गई है।

# भंडारा जिले में बड़ा मामला... अश्लील डांस की घटना

**नागपुर\भंडाराः** महाराष्ट्र के भंडारा जिले में बड़ा मामला सामने आया है। जिले के तुमसर तालुका के नाकाडोंगरी पुलिस थाना क्षेत्र के गोबरवाही गांव में भाऊबीजे यानी भाईदूज के अवसर पर अश्लील डांस की घटना सामने आई है। यह कार्यक्रम 17 नवंबर को आयोजित किया गया था। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसे लेकर पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है। इसके बाद इस मामले में दो पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर केस दर्ज किया गया है। निलंबित पुलिस कर्मियों के नाम राकेश सिंह सोलंकी (हेड कांस्टेबल) और राहुल परतेती (पुलिस कांस्टेबल) हैं।

इस मामले में गोबरवाही पुलिस ने नागपुर आरके हंगामा ग्रुप के पांच लोगों और कार्यक्रम आयोजित करने वाले और अश्लील

वीडियो फैलाने वाले पांच लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 354, 354 बी, 294, 509 के तहत मामला दर्ज किया है। कार्यक्रम में शामिल होने के बावजूद कर्तव्य में लापरवाही बरतने वाले दो पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। मामले में आगे की जांच भंडारा सब डविीजन पुलिस अधिकारी अशोक बागुल की ओर से की जा रही है।

दरअसल दिवाली के बाद भंडारा जिले में भाऊबीजे के दिन से मनोरंजन के लिए गांव-गांव नाटक, नृत्य हंगामा, पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। भंडारा जिले के तुमसर तालुका के नाकडोंगरी में डांस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नागपुर से एक डांस ग्रुप को आमंत्रित किया गया था। डांस करते-करते अचानक लड़कियों के कपड़े उतार दिए गए और न्यूड डांस किया गया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही पुलिस ने गोबरवाही थाने में आयोजक समेत अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इस कार्यक्रम में दो पुलिस कर्मियों के मौजूद रहने पर भी अश्लीलता की हद होने से पुलिस पर सवाल उठ रहे हैं।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शुक्रवार 24 नवंबर 2023

# फाइनल मैच में टिकटों के फ्रॉड

**मुंबई :** हाल ही में संपन्न हुए क्रिकेट वर्ल्डकप में टिकटों के मामले में जमकर फ्रॉड हुआ। अधिकांश क्रिकेट प्रेमी टीम इंडिया द्वारा खेले जानेवाले मैचों के टिकटों की तलाश में मारे-मारे फिरते रहे, पर न तो उन्हें ऑफ लाइन टिकट मिला और न ही ऑन लाइन। पता नहीं ये टिकट कहां बिक रहे थे और कौन खरीद रहा था। मगर हद तो तब हो गई जब अमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में भी टिकटों के फ्रॉड का मामला सामने आया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, फाइनल मैच के करीब ४० हजार टिकट लापता हो गए।

दरअसल, इसका गणित बहुत सीधा है। अमदाबाद स्टेडियम की क्षमता एक लाख ३२ हजार बताई गई है। फाइनल मैच के दिन पूरा स्टेडियम खचाखच भरा हुआ था। अब आईसीसी ने कहा है कि फाइनल मैच के दिन स्टेडियम में ९२,५४३ दर्शक आए थे। ऐसे में सवाल है कि आखिर ४०,००० टिकट कहां गायब हो गए? जबकि रिपोर्ट के अनुसार पूरा स्टेडियम १ लाख ३२ हजार दर्शकों से भरा हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मैच शुरू होने से पहले ही स्टेडियम खचाखच भर गया था। स्टेडियम में चींटी के घुसने की भी जगह नहीं थी। खाली सीटें न होने के कारण हजारों दर्शक स्टेडियम की सीढ़ियों पर बैठे नजर आए। हालांकि, आईसीसी ने घोषणा की है कि स्टेडियम में सिर्फ ९२,५४३ दर्शकों की उपस्थिति थी। अब लोग पूछ रहे हैं कि क्या वहां फर्जी टिकट तो नहीं बेचे गए थे? या फिर बहुत से लोगों को बिना टिकट के ही स्टेडियम में प्रवेश दे दिया गया था। लोगों का कहना है कि चाहे जो भी हुआ है पर फ्रॉड तो हुआ ही है। आईसीसी ने घोषणा की थी कि इस साल विश्व कप में १२,५०,३०७ दर्शकों ने स्टेडियम में मैच देखा।

# 'तोड़फोड़ सहित आक्रामक...',
## मनसे ने मराठी साइनबोर्ड को लेकर उग्र विरोध प्रदर्शन की दी चेतावनी !

**मुंबई :** महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने दुकानों और होटलों के साइनबोर्ड मराठी (देवनागरी लिपि) में लगाने की उच्चतम न्यायालय की 'समय सीमा' का पालन नहीं किए जाने पर आक्रामक विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है. मनसे ने इस संबंध में बुधवार को मुंबई में बैनर लगाकर इस मुद्दे पर अपनी मंशा जाहिर की. मनसे ने उपनगरीय चेंबूर में कुछ होर्डिंग लगाए हैं, जिसमें कहा गया है कि उच्चतम न्यायालय ने दुकानों और होटलों के नाम मराठी भाषा (देवनागरी लिपि) में लगाने के लिए 25 नवंबर तक की समय सीमा दी है. मनसे के पोस्टरों में लिखा है कि समय सीमा के बाद तोड़फोड़ सहित आक्रामक विरोध प्रदर्शन हो सकते हैं. मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने पहले दुकानों और अन्य प्रतिष्ठानों के साइनबोर्ड क्षेत्रीय भाषा में रखने पर जोर दिया था.

मुंबई में मराठी बोर्डों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को दो महीने बीत चुके हैं. कोर्ट ने व्यापार संघों को 25 नवंबर तक दुकानों पर मराठी बोर्ड लगाने का आदेश दिया था. कोर्ट द्वारा दी गई समय सीमा तीन दिन में खत्म हो जाएगी. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) आक्रामक हो गई है और राज ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी ने तीन दिनों के भीतर मराठी बोर्ड नहीं लगाए जाने पर 'विरोध' की चेतावनी दी है. मनसे की ओर से भी ऐसे कंटेंट वाले बैनर लगाए गए हैं. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मुंबई के कई दुकानदारों ने अपनी दुकानों के नाम मोटे अक्षरों में मराठी में लिखना शुरू कर दिया. हालांकि, कुछ दुकानदारों ने अपनी दुकान का साइन नहीं बदला है. एमएनएस ने अब बैनर लगाकर ऐसे व्यापारियों को अल्टीमेटम दिया है. बता दें, कुछ दिन पहले भी मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने इसे लेकर चेतावनी दी थी.

# नशे में धुत युवक ने मैच देखने के दौरान छोटे भाई की कर दी हत्या, आरोपी गिरफ्तार

**अमरावती:** महाराष्ट्र के अमरावती जिले में क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मैच देखते हुए शराब के नशे में धुत 32 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपने छोटे भाई की हत्या कर दी। यही नहीं, इस दौरान उसने अपने पिता को भी घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना अंजनगांव बाड़ी गांव में रविवार को उस समय हुई जब प्रवीण इंगोले टीवी पर भारत और आस्ट्रेलिया के बीच फाइनल मैच देखते हुए शराब पी रहा था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि प्रवीण के पिता रमेश इंगोले ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया था, जिसके बाद आरोपित ने पिता पर लोहे की छड़ से हमला कर दिया।

# महादेव ऐप पर जांच की आंच मुंबई तक, अब यह एजेंसी करेगी राजफाश

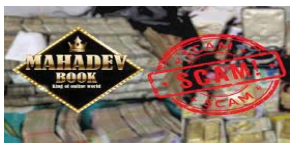


**मुंबई :** 'महादेव सट्टेबाजी एप' लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। इस एप के जरिए 5000 करोड़ रुपये से ज्यादा का घोटाला किया गया है। इस मामले में लगातार पुलिस कार्रवाई कर लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर रही है। अब इसमें एक नया मोड़ सामने आया है। दर्ज एक प्राथमिकी को जांच के लिए मुंबई अपराध शाखा को स्थानांतरित कर दिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच के दायरे को देखते हुए मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फनसालकर ने इसे अपराध शाखा को सौंप दिया है। बता दें, इस महीने की शुरूआत में मुबंई के माटुंगा पुलिस स्टेशन में एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर, शुभम सोनी समेत 32 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। इन लोगों पर धोखाधड़ी और जुए की अलग-अलग धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

# तमिलनाडू में हो रही भारी बारिश...
## आठ जिलों में स्कूल हुए बंद, ऑरेंज अलर्ट जारी

**तमिलनाडु :** तमिलनाडु के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। राज्य में लगातार भारी बारिश के कारण जिला कलेक्टरों ने गुरुवार को तेनकासी, विरुथुनगर, पुधुकोट्टई, नीलगिरि, थेनी, थिरुनेलवेली, कन्याकुमारी और थूथुकुडी सहित आठ जिलों में सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी हैं। क्षेत्रीय चेन्नई मौसम विभाग का पूवार्नुमान नीलगिरी, कोयंबटूर, थेनी, डिंडीगुल, शिवगंगई और पुदुकोट्टई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश और शिवगंगई, पुदुकोट्टई, रामनाथपुरम, थेनी से डिंडीगुल, मदुरै, कोयंबटूर, विरुधुनगर, तेनकासी, थिरुनेलवेली थूथुकुडी, कन्नियाकुमारी और तमिलनाडु के तिरुवल्लुर, चेन्नई, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम, रानीपेट्टई, वेल्लोर, थिरुपत्तूर और थिरुवन्नामलाई जिलों में अलग-अलग स्थानों पर मध्यम बारिश के साथ तूफान की संभावना जताई है।

**आज है ऑरेंज अलर्ट जारी**

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को तमिलनाडु में 22 नवंबर और 23 नवंबर को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के लिए ऑरेंज अलर्ट! 22 और 23 नवंबर को भारी से बहुत भारी बारिश (115.6 से 204.4 मिमी) के लिए तैयार रहें।

बयान में कहा गया कि आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। कुछ इलाकों में गरज और बिजली के साथ हल्की/मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम एजेंसी ने अगले तीन दिनों तक तमिलनाडु के 10 से अधिक जिलों में भारी बारिश की भी भविष्यवाणी की है। आईएमडी ने कहा, आज तमिलनाडु के कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली, तेनकासी और थेनी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि रामनाथपुरम, विरुधुनगर, थूथुकुडी, मदुरै, डिंडीगुल, तिरुपुर, कोयंबटूर, नीलगिरी, तिरुवल्लुर, रानीपेट, कांचीपुरम, तमिलनाडु के चेन्नई, चेंगलपट्टू, नागपट्टिनम, मयिलादुथुराई और तिरुवरूर जिलों और कराईकल क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होगी। तमिलनाडु के कई जिलों में भारी बारिश के कारण जलभराव और ट्रैफिक जाम हो गया। चेन्नई एमटीसी की एक बस बुधवार को मूलक्कोथलम में एक अंडरपास में पूरी तरह फंस गई। हालांकि, बाद में निगम कर्मियों और परिवहन विभाग की काफी कोशिशों के बाद इसे वहां से हटा दिया गया। क्षेत्र में घंटों तक भारी से मध्यम बारिश के बाद इरोड, तिरुपुर और कुन्नूर इलाके जलमग्न हो गए। भारी बारिश के कारण इरोड जिले के निचले रिहायशी इलाकों में घरों और बाजारों में पानी घुस गया।

# मुंबई में बड़ा हादसा, 24 मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, 135 लोगों की बचाई गई जान

**मुंबई :** मुंबई में गुरुवार को एक भीषण हादसा देखने को मिला। यहां एक 24 मंजिला आवासीय इमारत में भीषण आग लग गई। इस कारण वहां कम से कम 135 लोग फंस गए। घटना की सूचना जैसे ही स्थानीय अधिकारियों को मिली तो वे घटनास्थल पर पहुंच गए। अधिकारियों ने बताया कि आग घोडपदेव इलाके में महाराष्ट्र आवासीय एवं क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण (एमएमएडीए) कॉलोनी में न्यू हिंद मिल कंपाउंड में स्थित इमारत की तीसरी मंजिल पर सुबह 3 बजकर 40 मिनट पर लगी। इस स्थान पर सरकार ने लोगों, मुख्य रूप से मिल श्रमिकों को फ्लैट दिए हैं।

**इमारत से सुरक्षित निकाले गए 135 लोग**

उन्होंने कहा कि इस इमारत में कम से कम 135 लोग फंस गए थे जिन्हें सुरक्षित बचा लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि इन लोगों में से 25 लोगों को छत से, 30 लोगों को 15वीं मंजिल के आश्रय क्षेत्र से और 80 लोगों को 22वीं मंजिल के आश्रय क्षेत्र से निकाला गया है। दमकल विभाग

के एक अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पांच दमकल की गाड़ियों और तीन पानी के टैंकरों को घटनास्थल पर भेज दिया गया। इसके बाद सुबह 7.20 बजे दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों का अबतक पता नहीं चल सका है। हालांकि ऐसी संभावना जताई गई है आग शॉर्ट-सर्किट के कारण लगी है। रिपोर्ट में ऐसा कहा गया है कि आग इमारत की पहली से 24वीं मंजिल तक इलेक्ट्रिक मीटर केबिन, वायरिंग, केबल, इलेक्ट्रिक डक्ट में स्क्रैप सामग्री, कचरा और कचरा डक्ट में मौजूद सामग्री तक ही सीमित थी। बता दें कि बीते कुछ दिनों से मुंबई में अक्सर आग लगने की घटनाएं देखने को मिल रही है। इससे पहले पुणे में स्थित एक मॉल में आग लग गई थी।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : शॉप नंबर ४ , मदीना मेंशन, ८9 ए, कैडल रोड, अपोजिट बिल्लाबोंग स्कूल, माहिम पश्चिम, मुंबई ४०००१६ , महाराष्ट्र मोबाइल नं 998777 5650 व्हाट्सप्प नं 7977408589: Email-editor@rokthoklekhaninews.com